>

Title: Need to open a Central University in Mau district, Uttar Pradesh.

श्री दारा सिंह चौहान (घोसी): महोदय, सबसे पहले तो मैं अन्तर्राष्ट्रीय मातृभाषा दिवस पर पूरे सदन को बधाई दूंगा। आज अपनी भाषा को लेकर जो चिन्ता सबके मन में है, इसका एक ही कारण है। वैसे मेरा सब्जेक्ट दूसरा है, लेकिन मैं केवल बधाई देने के लिए खड़ा हुआ हूं।

उपाध्यक्ष महोदय : बधाई तो आपने दे दी है।

श्री दारा सिंह चौहान : महोदय, आप कहें तो मैं बैठ जाता हूं। आज 15वीं लोक सभा का आखिरी दिन है, कम से कम बधाई देने का तो मौका दीजिए।

13.00 hrs.

देश के लोग इसको जानना चाहते हैं। आज जो सबसे बड़ा कारण है जिससे क्षेत्रीय भाषाओं का लोप हो रहा है, इसका एक ही कारण है कि हिन्दी भाषा का अभाव हो रहा है। अंग्रेज़ी के जो बढ़ते कदम हैं, जो लोगों के संस्कार में आ रही है, यही एक कारण है कि आज पूरे देश से हिन्दी और क्षेत्रीय भाषाओं का लोप हो रहा है। मैं किसी भाषा के खिलाफ नहीं हूँ लेकिन जहाँ जिसकी ज़रूरत हो, अंतर्राष्ट्रीय मंच पर जिस भाषा की ज़रूरत हो, उस भाषा का प्रयोग करिये, लेकिन दुर्भाग्य है कि आज़ादी के इतने साल बाद भी, कांस्टीट्यूशन में यह अधिकार मिलने के बाद भी कि यहाँ के काम करने की भाषा हिन्दी होगी, दुर्भाग्य है कि अंग्रेज़ी बढ़ती जा रही है।

उपाध्यक्ष जी, प्रश्न काल में माननीय स्वास्थ्य मंत्री जी कह रहे थे कि कुपोशण का शिकार होने के कारण कैंसर लोगों में गंभीर बीमारी बनती जा रही है। उत्तर प्रदेश का जो सबसे पिछड़ा इलाका है पूर्वांचल, जो मऊ मेरे संसदीय क्षेत्र का मुख्यालय है, मऊ जनपद में तमाम शहीदों ने इस मुल्क की आज़ादी के लिए अपनी जान की कुर्बानी दी लेकिन दुर्भाग्य है कि आज तक वहाँ कोई केन्द्रीय विश्वविद्यालय नहीं है। उच्च शिक्षा के लिए लोगों को बाहर दूर-दूर तक जाना पड़ता है और सबसे ज्यादा कुपोषण के शिकार लोगों को जो जानलेवा बीमारी हो जाती है जिनका नाम लेने पर लोग काँप जाते हैं, कैंसर जैसी बीमारी से लोग परेशान रहते हैं, उनके इलाज के लिए बाहर जाना पड़ता है। मैं आपके माध्यम से सरकार से मांग करता हूँ कि मऊ में एक केन्द्रीय विश्वविद्यालय बने तथा एम्स की तर्ज पर वहाँ एक बड़ा हॉस्पिटल बनाया जाए।

उपाध्यक्ष महोदय : श्री पी.एल.पुनिया का नाम श्री दारा सिंह चौहान द्वारा उठाए गए विषय के साथ संबद्ध किया जाता है।